~~23/4/2020~~ Method Paper

Usha S.S.T - II

Unit - III

Levels of Teaching

शिक्षण का स्तर

शिक्षण के तीन स्तर हैं।

(1) स्मृति स्तर शिक्षण

स्मृति स्तर में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की जाती है, जिससे पढ़ाई की विषय-वस्तु को आत्मसात कर सकें। स्मृति स्तर पर शिक्षण में संकेत अधिगम, श्रृंखला अधिगम (Chain Learning) पर महत्व दिया जाता है।

2. बोध स्तर पर शिक्षण -

बोध स्तर के शिक्षण में शिक्षक छात्रों के समक्ष पाठ्य-वस्तु को इस प्रकार प्रस्तुत करता है कि छात्रों को बोध (ज्ञान) के लिए अधिक से अधिक अवसर मिले और छात्रों में अधिक सूझ-बूझ उत्पन्न हो सके। इस प्रकार के शिक्षण में शिक्षक और छात्र दोनों ही सक्रिय रहते हैं। बोध स्तर का शिक्षण उद्देश्य केन्द्रित तथा सूझ-बूझ से युक्त होता है।

3. चिंतन स्तर में शिक्षण

चिंतन स्तर में ~~शिक्षण~~ शिक्षक अपने छात्रों में चिंतन तर्क तथा कल्पना शक्ति को बढ़ाता है ताकि छात्र दोनों के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान कर सके। चिंतन स्तर पर शिक्षण समस्या केन्द्रित होता है। इस स्तर में बच्चों में आलोचनात्मक तथा मौलिक चिन्तन उत्पन्न होता है।

Scanned by CamScanner